JAI BHAWANI SHIKSHAN PRASARAK MANDAL'S

ARTS & SCIENCE COLLEGE SHIVAJINAGAR, GADHI

जय भवानी शिक्षण प्रसारक मंडळ, गेवराई संचलित (कला व विज्ञान महाविद्यालय शिवाजीनगर, गढी ता . गेवराई जि . बीड)

प्रा.डॉ. संतोषकुमार यशवंतकर

देवनागरी लिपि की विशेषताएं

GYAN
HINDI
BHARTIYA

1. देवनागरी लिपि एक वैज्ञानिक लिपि है |

2. देवनागरी लिपि का आविष्कार ब्राह्मी लिपि से हुआ है |

3. देवनागरी लिपि का सर्वप्रथम प्रयोग गुजरात के राजा जय भट्ट के एक शिलालेख में हुआ है |

4. अनेक भाषाओं की लिपि देवनागरी लिपि है जैसे :-- संस्कृत,पाली, हिंदी, मराठी, नेपाली आदि |

5. देवनागरी लिपि में कुल 52 वर्ण होते हैं |

6. देवनागरी लिपि में स्वर ध्वनियों के उच्चारण में किसी अन्य ध्वनि की सहायता नहीं लेनी पड़ती है परंतु व्यंजन के उच्चारण में अन्य ध्वनि की सहायता लेनी पड़ती है जैसे:-- क + ष = क्ष |

7. देवनागरी लिपि एक अक्षरात्मक लिपि है, यह विशेषता अन्य लिपियों में नहीं पाई जाती है |

8. देवनागरी लिपि में व्यवस्थित वर्णमाला है। इस वर्णमाला में सभी वर्णों को उनकी उच्चारणादि विशेषताओं के आधार पर वर्गीकृत किया गया है।

GYAN
HINDI
BHARTIYA

9. इस लिपि में वर्णों को व्यवस्थित, क्रमबद्ध ढंग से किया गया है।

10. देवनागरी लिपि में अक्षरात्मक लिपि का अर्थ होता है कि वर्ण के ऊपर - नीचे या फिर दाएं - बाएं कहीं भी मात्राओं का प्रयोग हो सकता है, परंतु वर्ण का उच्चारण पहले और मात्रा का उच्चारण वर्ण के बाद होगा | जैसे :-- मोहन |

11. देवनागरी लिपि बायीं से दायीं ओर लिखी जाती है।

12. देवनागरी लिपि की प्रमुख विशेषता यह है कि इस लिपि में जो वर्ण लिखा जाता है, वही बोला जाता है| वर्णों को बोलते समय ध्वनियों में कोई बदलाव नहीं होता है | एक तरह से हम कह सकते हैं कि इसके लेखन और उच्चारण में पर्याप्त एकरूपता और स्पष्टता है।

BHARTIYA

13. देवनागरी लिपि एक ऐसी लिपि है, जिसमें सभी ध्वनियों को अंकित करने की क्षमता होती है |

GYAN

14. देवनागरी लिपि में **मूकवर्ण** (साइलेंट लेटर) नहीं होता है | जैसे:-- Knowledge = यहां पर K,W,D मूकवर्ण (साइलेंट लेटर) है |

BHARTI

15. देवनागरी लिपि में हर एक ध्वनि के लिए एक लिपि चिह्न को निश्चित किया गया है। **जैसे :--** "कमला" शब्द में 'क' की ध्वनि के लिए एक लिपि चिह्न 'क' निर्धारित किया गया है।

HINDI

16. देवनागरी लिपि में प्रत्येक व्यंजन के साथ 'अ' वर्ण का संयोग रहता है। **जैसे- क् + अ = क ।**

17. देवनागरी लिपि अक्षरात्मक लिपि है क्योंकि इसमें अक्षरों का प्रयोग होता है और अक्षरात्मक लिपि कम स्थान घेरती है |

18. देवनागरी लिपि में स्वरों और व्यंजनो क्रमबद्ध किया गया है।

19. देवनागरी लिपि में प्रत्येक ध्वनि के लिए एक निश्चित वर्ण होता है|

इस व्हिडियों / PPT का उदेश्य केवल अध्यापन के लिए है, न कि प्रसिद्धी पाने के लिए। इसका समग्र श्रेय सभी महानुभवों को जाता है जिन-जिनकी सामग्री का उपयोग यह बनाने के लिए हुआ है। मैं उन समस्तजनों के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करता हुँ जिनकी सामग्री का उपयोग यह व्हिडियों / PPT के लिए हुआ है। यह मेरी कोई मौलिक उपलब्धी नहीं है और न ही कोई सृजनात्मकता। इस का उदेश्य केवल और केवल छाञों तक पहुँचाना हैं। इससे किसीके दिल को प्रत्यक्ष या परोक्षरुप से कोई ठेस या आहत पहुँचती है तो मैं उसके लिए क्षमाप्रार्थी हुँ - आपका प्रा.डॉ. संतोषकुमार यशवंतकर

JAI BHAWANI SHIKSHAN PRASARAK MANDAL'S

ARTS & SCIENCE COLLEGE SHIVAJINAGAR, GADHI

जय भवानी शिक्षण प्रसारक मंडळ, गेवराई संचलित (कला व विज्ञान महाविद्यालय शिवाजीनगर, गढी ता . गेवराई जि . बीड)

प्रा.डॉ. संतोषकुमार यशवंतकर